भारत बगिया

बगिया खिल गई तरह-तरह के फूलों से

भारत खिल गया तरह-तरह के लोगों से...

जैसे हैं साथ गुलाब चमेली जाई जुई

वैसे ही रहे हम हिंदू मुस्लिम सिख इसाई...

खुशबू देखकर बाग में महकाना है यह धर्म फूलों का

प्यार देकर जिंदगी बिताना रहेगा धर्म हमारा...

अपनी आनशान रखकर यह जो फूल साथ रहते हैं

हम भी अपना रीति रिवाज संभालकर यूं ही साथ रहेंगे...